डाक-व्यय की पूर्व अदायगी के बिना
डाक द्वारा भेजे जाने के लिए अनुमत.
अनुमति-पत्र क्र. भोपाल-एम. पी. 2
डब्ल्यू-पी./505/2000.

पंजी क्रमांक भोपाल डिवीजन
एम.पी. 108/भोपाल/2000

मध्यप्रदेश राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 508] भोपाल, मंगलवार, दिनांक 22 अगस्त 2000—श्रावण 31, शक 1922

विधि और विधायी कार्य विभाग

भोपाल, दिनांक 22 अगस्त 2000

क्र. 7813-इक्कीस-अ(प्रा.).—मध्यप्रदेश विधान सभा का निम्नलिखित अधिनियम, जिस पर दिनांक 18 अगस्त 2000 को राज्यपाल की अनुमति प्राप्त हो चुकी है, एतद्द्वारा सर्वसाधारण की जानकारी के लिये प्रकाशित किया जाता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
आर. के. सिटोके, अतिरिक्त सचिव.

मध्यप्रदेश अधिनियम

क्रमांक २६ सन् २०००.

मध्यप्रदेश अशासकीय शिक्षण संस्था (अध्यापकों तथा अन्य कर्मचारियों के वेतनों का संदाय) संशोधन अधिनियम, २०००.

विषय-सूची.

धाराएं :

१. संक्षिप्त नाम.
२. उद्धरण का संशोधन.
३. धारा १ का संशोधन.
४. धारा २ का संशोधन.
५. धारा ५ के स्थान पर नई धारा का स्थापन.
६. धारा ६ का संशोधन.
७. अनुसूची का संशोधन.
८. निरसन.

मध्यप्रदेश अधिनियम

क्रमांक २६ सन् २०००.

मध्यप्रदेश अशासकीय शिक्षण संस्था (अध्यापकों तथा अन्य कर्मचारियों के वेतनों का संदाय) संशोधन अधिनियम, २०००.

[दिनांक १८ अगस्त, २००० को राज्यपाल की अनुमति प्राप्त हुई; अनुमति "मध्यप्रदेश राजपत्र (असाधारण)" में दिनांक २२ अगस्त, २००० को प्रथमबार प्रकाशित की गई.]

मध्यप्रदेश अशासकीय शिक्षण संस्था (अध्यापकों तथा अन्य कर्मचारियों के वेतनों का संदाय) अधिनियम, १९७८ को और संशोधित करने हेतु अधिनियम.

भारत गणराज्य के इक्यावनवें वर्ष में मध्यप्रदेश विधान-मण्डल द्वारा निम्नलिखित रूप में यह अधिनियमित हो :—

संक्षिप्त नाम. १. इस अधिनियम का संक्षिप्त नाम मध्यप्रदेश अशासकीय शिक्षण संस्था (अध्यापकों तथा अन्य कर्मचारियों के वेतनों का संदाय) संशोधन अधिनियम, २००० है.

उद्धरण का संशोधन. २. मध्यप्रदेश अशासकीय शिक्षण संस्था (अध्यापकों तथा अन्य कर्मचारियों के वेतनों का संदाय) अधिनियम, १९७८ (क्रमांक २० सन् १९७८) (जो इसमें इसके पश्चात् मूल अधिनियम के नाम से निर्दिष्ट है) के उद्धरण में, शब्द और कोष्ठक "(अध्यापकों तथा अन्य कर्मचारियों के वेतनों का संदाय)" के स्थान पर, शब्द और कोष्ठक "(अनुदान का प्रदाय)" स्थापित किए जाएं.

धारा १ का संशोधन. ३. मूल अधिनियम की धारा १ की उपधारा (१) में, शब्द और कोष्ठक "(अध्यापकों तथा अन्य कर्मचारियों के वेतनों का संदाय)" के स्थान पर, शब्द और कोष्ठक "(अनुदान का प्रदाय)" स्थापित किए जाएं.

धारा २ का संशोधन. ४. मूल अधिनियम की धारा २ में,—

(एक) खण्ड (घ) में, शब्द "जिसके कि नियोजन की बाबत अनुरक्षण अनुदान का संदाय यथास्थिति राज्य सरकार या आयोग द्वारा उस संस्था को किया जाता हो तथा" का लोप किया जाए;

(दो) खण्ड (च) के स्थान पर, निम्नलिखित खण्ड स्थापित किया जाए, अर्थात् :—

"(च) "अनुदान" से अभिप्रेत है ऐसा अनुदान जो संस्था को राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर प्रदत्त किया जाना नियत किया जाए.";

(तीन) खण्ड (झ) के स्थान पर, निम्नलिखित खण्ड स्थापित किया जाए, अर्थात् :—

"(झ) "अध्यापक" से अभिप्रेत है किसी संस्था का कोई ऐसा अध्यापक जो यथास्थिति, मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मण्डल या किसी विश्वविद्यालय या आयोग द्वारा किसी संस्था को या किसी नवीन विषय या किसी उच्चतर कक्षा [illegible] या विद्यमान कक्षा में की किसी नवीन सेक्शन को मान्यता प्रदान किये जाने [illegible] की शर्तों की पूर्ति करने के लिये नियोजित किया गया हो तथा संस्था के वेतन पत्रक में जिसका नाम उस हैसियत में नियोजित हुये रूप में किसी पद के सम्मुख दर्शाया गया हो, किन्तु उसके अंतर्गत कोई ऐसा अध्यापक नहीं आता है, जिसकी कि नियुक्ति धारा ६ के खण्ड (ग) के अधीन अननुमोदित की गई हो ;"

भोपाल, दिनांक 22 अगस्त 2000

क्र. 7814-इक्कीस-अ(प्रा.).—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में मध्यप्रदेश अशासकीय शिक्षण संस्था (अध्यापकों तथा अन्य कर्मचारियों के वेतनों का संदाय) (संशोधन अधिनियम, 2000 क्रमांक 26 सन् 2000 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्राकाशित किया जाता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
आर. के. सिटोके, अतिरिक्त सचिव.

MADHYA PRADESH ACT

NO. 26 OF 2000.

THE MADHYA PRADESH ASHASKIYA SHIKSHAN SANSTHA (ADHYAPAKON TATHA ANYA KARMACHARIYON KE VETANO KA SANDAYA) SANSHODHAN ADHINIYAM, 2000

TABLE OF CONTENTS

Sections :

1. Short title.
2. Amendment of Citation.
3. Amendment of Section 1.
4. Amendment of Section 2
5. Substitution of new section for Section 5.
6. Amendment of Section 6.
7. Amendment of Schedule.
8. Repeal.

MADHYA PRADESH ACT

NO. 26 OF 2000.

THE MADHYA PRADESH ASHASKIYA SHIKSHAN SANSTHA (ADHYAPAKON TATHA ANYA KARMACHARIYON KE VETANO KA SANDAYA) SANSHODHAN ADHINIYAM, 2000

[Received the assent of the Governor on the 18th August, 2000; assent first published in the "Madhya Pradesh Gazette (Extra-ordinary)" dated the 22nd August, 2000]

An Act further to amend the Madhya Pradesh Asaskiya Shikshan Sanstha (Adhyapakon Tatha Anya Karmachariyon Ke Vetano Ka Sandaya) Adhiniyam, 1978.

Be if enacted by the Madhya Pradesh Legislature in the Fifty-first year of the Republic of India as follows:—

Short title.

1. This Act may be called the Madhya Pradesh Ashaskiya Shikshan Sanstha Adhyapakon Tatha Anya Karmchariyon Ke Vetano Ka Sanadaya) Sanshodhan Adhiniyam, 2000.

Amendment of Citation.

2. In the Citation of the Madhya Pradesh Ashaskiya Shikshan Sanstha (Adhyapakon Tatha Anya Karmachariyon Ke Vetano Ka Sandaya) Adhiniyam, 1978 (No. 20 of 1978) (hereinafter referred to as the Principal Act), for the words and brackets "(Adhyapakon Tatha Anya Karmachariyon Ke Vetano Ka Sandaya)" the words and brackets "(Anudan Ka Pradaya)" shall be substituted.

3. In sub-section (1) of Section 1 of the Principal Act, for the words and brackets "(Adhyapakon Tatha Anya Karmchariyon Ke Vetano Ka Sandaya)", the words and brackets "(Anudan Ka Pradaya)" shall be substituted

Amendment of Section 1.

4. In Section 2 of the Principal Act,—

Amendment of Section 2.

(i) in clause (d), the words "in respect of whose employment maintenance grant is paid by the State Government or Ayog, as the case may be, to the institution and" shall be omitted;

(ii) for clause (f), the following clause shall be substituted, namely:—

"(f) 'grant' menas a grant given to the institution as may be fixed by the State Government from time to time ";

(iii) for clause (i), the following clause shall be substituted, namely:—

"(i) 'Teacher' means a teacher of an institution employed in fulfilment of the conditions of recognition/affiliation of an institution or of a new subject or a higher class or a new section in the existing class by the Madhya Pradesh Board of Secondary Education or any University or the Ayog, as the case may be, and shown on the pay roll of the institution against a post as being in the employment as such but does not include a-teacher whose appointment is disapproved under clause (c) of Section 6.";

(iv) for clause (j), the following clause shall be substituted, namely:—

"(j) 'salary' means the salary and other allowances payable to a teacher or an employee at the rate as may be notified by the institution."

5. For Section 5 of the Principal Act, the following section shall be substituted, namely:—

Substitution of new Section for Section 5.

"5. (1) There shall be opened in an nationalised bank, a separate account which shall be constituted as a separate fund for the Institution (hereinafter referred to as the Institutional Fund) in accordance with the rules made in this behalf.

Constitution of institutional fund for payment of salary of teachers etc. and amounts to be deposited therein.

(2) The grant as fixed by the State Government from time to time shall be payable to the institution as a block grant. The grant shall be given to the institution after furnishing by it the utilisation certificate of the previous grant alongwith detailed audited account and annual account statement.

(3) The management shall place at the credit of the Institutional Fund by the last day of every month the total amount of fees recovered from the students of the Institution.

(4) In addition to the fee deposited under sub-section (3), the management shall place to the credit of the Institutional Fund by the 10th of every month for payment of salary to teachers and employees of the institution for the preceding month such further sums as may be required to make the 1/12th of the total amount credited under sub-section (2) together with amount credited under sub-section (3) equivalent to 1/12th of the total salary payable to teachers and employees of the institution with institution's contribution to the provident fund account of those teachers and employees per annum

(5) No money credited to the Institutional Fund shall be applied for any purpose except the following, namely:—

(a) payment of salaries falling due for any period after the appointed date;

(b) credit of the institution's contribution, if any to the provident fund accounts of the teachers and employees.".

Amendment of Section 6.

6. In clause (a) of Section 6 of the Principal Act, in sub-clause (i), the words "except in such scale of pay as the State Government may from time to time determine" shall be omitted.

Amendment of Schedule.

7. In the Schedule to the Principal Act, for the words and brackets "(Adhyapakon Tatha Anya Karmachariyon Ke Vetano Ka Sandaya)", wherever they occur the words and brackets "(Anudan Ka Pradaya)" shall be substituted.

Repeal.

8. The Madhya Pradesh Ashaskiya Shikshan Sanstha (Adhyapakon Tatha Anya Karmachariyon Ke Vetano Ka Sandaya), Sanshodhan Adhyadesh, 2000 (No. 2 of 2000) is hereby repealed.

नियंत्रक, मुद्रण तथा लेखन सामग्री, मध्यप्रदेश द्वारा शासकीय केन्द्रीय मुद्रणालय, भोपाल से मुद्रित तथा प्रकाशित—2000.